Table of Contents

1. ऐ मातृभूमि की परिचय
2. कविता "ऐ मातृभूमि" का विश्लेषण

ऐ मातृभूमि की परिचय

"ऐ मातृभूमि!" रामप्रसाद 'बिस्मिल' द्वारा रचित एक प्रेरणादायक कविता है जो देशभक्ति और मातृभूमि के प्रति गहरे प्रेम को व्यक्त करती है। यह कविता भारत की महत्ता, उसकी विजय और उसकी प्रसन्नता की कामना करती है। कवि ने मातृभूमि को एक दिव्य शक्ति के रूप में प्रस्तुत किया है जो अज्ञानता और दुख के अंधकार को दूर कर संसार में प्रकाश फैलाए।

मुख्य बिंदु

- कविता का विषय: मातृभूमि की महिमा और उसकी जय-जयकार।
- लेखक परिचय: रामप्रसाद 'बिस्मिल' एक प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी और कवि थे।
- भावना: देशभक्ति, श्रद्धा, और मातृभूमि के प्रति समर्पण।

पाठ्य प्रमाण / उदाहरण

"ऐ मातृभूमि! तेरी जय हो, सदा विजय हो।"

"अज्ञान की निशा में, दुख से भरी दिशा में; संसार के हृदय में, तेरी प्रभा उदय हो।"

अभ्यास प्रश्न

- स्तर 1 – सरल: "ऐ मातृभूमि" कविता का मुख्य भाव क्या है?
- स्तर 2 – मध्यम: कवि ने मातृभूमि के लिए कौन-कौन सी शुभकामनाएँ व्यक्त की हैं?
- स्तर 3 – कठिन: कविता में "बिस्मिल" शब्द का क्या अर्थ है और इसका क्या महत्व है?

उत्तर कुंजी

- कविता का मुख्य भाव मातृभूमि की जय और उसकी प्रसन्नता की कामना है।
- कवि ने मातृभूमि के लिए सुख, शांति, विजय, और प्रकाश की कामना की है।
- "बिस्मिल" कवि का उपनाम है, जो उनके देशभक्ति और बलिदान की भावना को दर्शाता है।

त्वरित संदर्भ

- कवि: रामप्रसाद 'बिस्मिल'
- कविता का विषय: मातृभूमि की महिमा
- मुख्य भाव: देशभक्ति और मातृभूमि के प्रति प्रेम

शब्दावली

- मातृभूमि: जन्मभूमि, देश
- जय: विजय, सफलता
- प्रभा: प्रकाश, चमक
- प्रकोप: क्रोध, प्रचंड शक्ति
- महाप्रलय: बड़ा विनाश
- भक्ति: श्रद्धा, पूजा

कविता "ऐ मातृभूमि" का विश्लेषण

यह कविता मातृभूमि के प्रति गहरी श्रद्धा और प्रेम को दर्शाती है। कवि ने मातृभूमि की जय और उसकी विजय की कामना की है। अज्ञानता और दुख के अंधकार को दूर करने के लिए मातृभूमि की प्रभा का उदय होना आवश्यक बताया गया है। साथ ही, कवि ने मातृभूमि के प्रकोप को महाप्रलय के समान शक्तिशाली बताया है, जो अन्याय और अत्याचार का नाश कर सके।

मुख्य बिंदु

- कविता में मातृभूमि की महत्ता और उसकी विजय की कामना।
- अज्ञानता और दुख के अंधकार से मुक्ति की आशा।
- भक्ति और शक्ति की आवश्यकता पर बल।

पाठ्य प्रमाण / उदाहरण

"वह भक्ति दे कि 'बिस्मिल' सुख में तुझे न भूले, वह शक्ति दे कि दुख में कायर न यह हृदय हो।"

अभ्यास प्रश्न

- स्तर 1 – सरल: कविता में "प्रकोप" शब्द का क्या अर्थ है?
- स्तर 2 – मध्यम: कवि ने किस प्रकार की शक्ति की कामना की है?
- स्तर 3 – कठिन: कविता में अज्ञानता और दुख के अंधकार को कैसे दूर करने की बात कही गई है?

उत्तर कुंजी

- प्रकोप का अर्थ है क्रोध या प्रचंड शक्ति।
- कवि ने ऐसी शक्ति की कामना की है जो दुख में भी हृदय को कायर न बनने दे।
- कवि ने मातृभूमि की प्रभा के उदय से अज्ञानता और दुख के अंधकार को दूर करने की बात कही है।

त्वरित संदर्भ

- प्रकोप: क्रोध या प्रचंड शक्ति
- भक्ति: श्रद्धा
- शक्ति: साहस और धैर्य

शब्दावली

- निशा: रात, अंधकार
- दिशा: मार्ग, दिशा
- कायर: डरपोक